ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-11* December- 2020
Innovation The Research Concept

जिला मुरैना, मध्य प्रदेश की सामाजिक स्थिति पर दूरसंचार क्रान्ति का आर्थिक प्रभाव

Economic Impact of Telecom Revolution on Social Status of District Morena, Madhya Pradesh

Paper Submission: 04/12/2021, Date of Acceptance: 20/12/2020, Date of Publication: 25/12/2020

मनोज कुमार शर्मा
सहायक प्राध्यापक,
अर्थशास्त्र विभाग,
अम्बाह पी0जी0 कॉलेज,
मुरैना, अम्बाह, मध्य प्रदेश,
भारत

सारांश

दूरसंचार विभाग तेज समावेशी सामाजिक.आर्थिक विकास के लिए सुरक्षित विश्वसनीय किफायती तथा उच्च गुणवत्ता संपन्न कनवर्ज्ड दूरसंचार सेवाऐं कहीं भी कभी भी देने के लिए संकल्पबद्ध हैं।विभाग पूरे देश में सुरक्षित किफायती दर पर विश्वसनीय तथा सुरक्षित वॉयस तथा डाटा सेवाएं प्रदान कर जनहित के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा हैं। सामाजिक आर्थिक विकास के लिए हाईस्पीड डिजिटल हाईवे के जरिये देश को एक सूत्र में बांधने और सरकारी सेवाओं की पहुंच हरेक नागरिक तक का भी प्रावधान हैं। देश की तेज आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने तथा शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में विकास की चुनौतियों का सामना करने के लिए दूरसंचार को मजबूत बनाना आवश्यक हैं।

The Department of Telecommunications is committed to providing secure reliable, affordable and high quality converged telecommunications services for fast inclusive social. Economic development anytime, anywhere. The Department targets public interest by providing reliable and secure voice and data services at a cost-effective rate across the country working towards achieving. For socioeconomic development, there is also a provision to tie the country in one thread and access government services to every citizen through high speed digital highway. Telecommunication needs to be strengthened to ensure rapid economic progress of the country and to meet the challenges of development in sectors such as education, health and employment generation.

मुख्य शब्द : दूरसंचार, औधौगीकरण, सुनिश्चित, प्रावधान, विश्वसनीय, किफायती, कुप्रथाओं, अंधविश्वासों, निर्भरता, जीवनस्तर, जागरूकता।
Telecommunication, Industrialization, Surety, Provision, Reliable, Economical, Malicious Practices, Superstitions, Dependence, Standard Of Living, Awareness.

प्रस्तावना

किसी अर्थव्यवस्था का विकास उसके सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास पर निर्भर करता हैं। विकास की इस प्रक्रिया को सतत बनाये रखने के लिए सभी क्षेत्रों में विकास की संभावनाओं का पता लगाना आवश्यक हैं।

किसी समाज की सामाजिक स्थिति को किसी समय विशेष में पाये जाने वाले धर्म, वैवाहिक स्थिति, राजनीतिक जागरूकता, सामाजिक चेतना, औधौगीकरण,नगरी करण, शिक्षा,स्वास्थ्य और मनोरंजन आदि तत्व निर्धारित करते हैं। वर्तमान में इन सभी तत्वों में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। जिस के कारण अध्ययन क्षेत्र समाज पर दूरसंचार के साधनों के प्रभाव की सार्थकता और भी व्यापक हो गई है।

उदारीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था के आधारिक संरचना वाले सभी क्षेत्रों को समुचित विकास हुआ है, लेकिन दूरसंचार के क्षेत्र में जो क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, वे अद्भुत व आश्चर्यजनक हैं। भारत में टेलीफोन सेवा का प्रारंभ वर्ष 1881 82 में कोलकाता में हुआ, लेकिन लगभग एक शताब्दी के अन्तराल में इस क्षेत्र की वृद्धि बहुत ही धीमी रही किन्तु 1980 के दशक से इस में तीव्र वृद्धि हुई है और इसका प्रभाव अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

अध्ययन के उद्देश्य

वर्तमान में शिक्षा,स्वस्थ्य,व्यापार,उधोग,एवं कृषि आदि को संचार सेवाओं के विकास ने प्रभावित किया है। अतः सरकार ने इस जिले में आधारभूत संरचना वाले साधनो का विकास करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठायें हैं। विगत वर्ष में संचार साधनों आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। जिसका प्रभाव इस क्षेत्र के व्यापार,उधोग,सेवा, कृषि तथा सामान्य व्यक्ति के जीवन से भी अछूता नहीं रहा है। अध्ययन क्षेत्र में दूरसंचार साधनों का सामाजिक स्थिति पर पडने वाले प्रभावों कों जानने के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं।

1. आर्थिक विकास एवं दूरसंचार के साधन किस प्रकार एक दूसरे से प्रभावित हो रहे हैं।
2. सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों का दूरसंचार के साधनों के बीच किस प्रकार का अन्तर्सम्बन्ध है।

शोध क्षेत्र

जिला मुरैना मध्यप्रदेश राज्य के चंबल संभाग में स्थित है। मध्यप्रदेश में इस की भौगौलिक स्थिति उत्तर पश्चिम में है यह 250 15 से 260 52 उत्तरी अक्षांश तथा 760 22 से 780 42 पूर्वी देशांतर रेखाओं के अन्तर्गत स्थित है। जिले के उत्तर पूर्व में उत्तरप्रदेश उत्तर पश्चिमम में राजस्थान स्थित है जिले की सीमाएँ अधिकतर प्राकृतिक है जो चंबल, पार्वती तथा इसकी सहायक नदियों द्वारा बनायी गई है। जिले का कुल भौगौलिक क्षेत्रफल 47733 वर्ग कि. मी. है 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसख्या 1965970 है तथा जनसख्या घनत्व 393 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

विधि तंत्र

प्रस्तुत शोध आलेख मूलतः द्वितीयक संमको पर आधारित है जिससे अध्ययन के परिणामों में सुस्पष्टता प्राप्त हो सके जो शासकीय अभिलेखों एवं अन्य प्रकाशित सामग्री से प्राप्त किये गये है। संमको का आवश्कता अनुसार सारणीयन एवं उनका विश्लेषण भी किया गया है।

संकल्पना

अध्ययन क्षेत्र में पायी जाने वाली विशेषताओं के आधार पर कुछ अवधारणाओं को चुना गया है। सांख्यिकीय तथ्यों की प्रवृति को देखते हुए चुने गये विषय एवं शोध कार्य की प्रसांगिकता को सिद्ध करने के निम्न संकल्पनाओं को स्वीकार किया गया है।

1. दूरसंचार के साधनों के प्रयोग से इस क्षेत्र के व्यक्तियों की सोच ,जीवन स्तर आदि में परिवर्तन हुआ है।
2. दूरसंचार के साधनों के माध्यम से समय एवं साधनों की बचत हुई है।

दूरसंचार को दुनिया भर में विकास और लोगों को सशक्त वनाकर गरीवी हटाने की दिशा में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में मान्यता दी गई है। पिछले कुछ वर्षो में भारत में उपभोक्ता संबंधी मांगो में जबरदस्त बृद्धि होने तथा भारत सरकार की सकारात्मक नीतियों के कारण दूरसंचार क्षेत्र में जो आश्चर्य जनक परिवर्तन हुए हैं उन्हों ने निश्चित ही अध्ययन क्षेत्र की सामाजिक आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है।

Number of landline and Mobile Subscribers & Trend of Total Telephones and Teledensity (2001 to 2018)

S.no.	At the end of march	No.of mobile phone subscribers (in million)	No.of landline subscribers (in million)	Totel Telephones (in million)	Tele-density (%)
1	2001	3.58	32.70	36.28	3.58
2	2002	6.68	38.29	44.97	4.29
3	2003	13.29	41.32	54.61	5.11
4	2004	35.62	40.92	76.54	7.02
5	2005	56.95	41.42	98.37	8.95
6	2006	101.87	40.22	142.09	12.74
7	2007	165.09	40.77	205.87	18.22
8	2008	261.08	39.41	300.49	26.22
9	2009	391.76	37.96	429.72	36.98
10	2010	584.32	36.96	621.28	52.73
11	2011	811.6	34.73	846.33	70.89
12	2012	919.18	32.17	951.35	78.66
13	2013	867.81	30.21	898.02	73.32
14	2014	904.52	28.50	933.02	75.23
15	2015	969.54	26.59	996.13	79.36
16	2016	1034.11	25.22	1059.33	83.04
17	2017	1170.59	24.40	1194.99	93.01
18	2018	1188.99	22.81	1211.80	93.27

Source-Telecom statistices India-2018

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि,भारत में दूरसंचार क्षेत्र मुख्य रूप से टेलीफोन स्थिर एवं चलित जो में जो वृद्धि हुई है वह अद्भुद व आश्चर्य जनक है जिसका प्रभाव निशचित रूप से अध्ययन क्षेत्र के आर्थिक व सामाजिक स्तर पर सकारात्मक रूप से पड रहा है।

किसी समाज की सामाजिक स्थिति को किसी समय विशेष में पाये जाने वाले धर्म, वैवाहिक स्थिति, राजनीतिक जागरूकता, सामाजिक चेतना, औधोगीकरण, नगरी करण, शिक्षा स्वास्थ्य और मनोरंजन आदि तत्व निर्धारित करते हैं। वर्तमान में इन सभी तत्वों में तेजी से

परिवर्तन हो रहा है। जिस के कारण अध्ययन क्षेत्र के समाज पर दूरसंचार के साधनों के प्रभाव की सार्थकता और भी व्यापक हो गई।

धर्म

अध्ययन क्षेत्र जिला मुरैना हिन्दू धर्म बाहुल्य क्षेत्र है यहाँ के निवासी विभिन्न धर्म संप्रदाय के अनुसार अपने त्यौहारो एवं उत्सवों को मनाते हैं तथा सामाजिक मीडिया पर उसे प्रसारित करते हैं जिससे अन्य लोग भी प्रभावित होकर उसी प्रकार के आयोजन करने के लिए प्रेरित होते हैं जिससे निश्चय ही संबंधित बाजार की माँग में वृद्धि होती है तथा क्षेत्र की आर्थिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

शिक्षा

शिक्षक किसी समाज की प्रगति का द्योतक है शिक्षित व्यक्ति ही समाज का विकास कर सकता है शिक्षा के प्रचार प्रसार में दूरसंचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है दूरसंचार के साधनों के विकास से पूर्व जिला मुरैना में अशिक्षित एवं निरक्षर जनसंख्या का आधिक्य था तथा विभिन्न व्यवसाय से संबंधित जानकारी, शासन की योजनाओं की जानकारी तथा विभिन्न कृषि विकास कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी प्राप्त करना अत्यंत कठिन था अध्ययन क्षेत्र में जैसे जैसे दूर संचार साधनों का विकास हुआ है ठीक उसी के समानांतर शिक्षा का प्रचार प्रसार एवं उसकी महत्ता बढ़ी है फलस्वरूप अध्ययन क्षेत्र जिला मुरैना सभ्य शिक्षित क्षेत्र की श्रेणी में माना जाता है, अतः कहा जा सकता है कि, शिक्षा किसी क्षेत्र के सामाजिक विकास का मापदंड है अध्ययन क्षेत्र में दूरसंचार के साधनों के विकास का यह आपकी शैक्षणिक स्थिति पर पढ़ने वाले प्रभावों को निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

तालिका अध्ययन क्षेत्र में शिक्षकों की स्थिति एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका तथा साक्षरता का स्तर

वर्ष	शिक्षकों की संख्या	प्रति शिक्षक व्दारा सेवित जनसंयख्या	साक्षरता का प्रतिशत
1981	1300	213	पुरूष महिला कुल
1999	1942	191	38.54 10.09 25.60
2001	3575	133	63.53 23.79 45.93
2011	.....	.....	79.9 46.2 64.7

स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, जिला मुरैना

उद्योग

औद्योगिकरण वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत किसी देश की अर्थव्यवस्था में यंत्रीकरण के द्वारा आधारभूत परिवर्तन किए जाते हैं तथा संबंधित अर्थव्यवस्था के सभी साधनों का अधिकतम उपयोग किया जाता है उद्योग कृषि अर्थव्यवस्था का आधार है यही कारण है कि आधुनिक युग का प्रतीक बन गया है आज समूचा विश्व प्रायः औद्योगिकरण की ओर अग्रसर हो रहा है क्योंकि औद्योगीकरण राष्ट्र की प्रगति और संपन्नता का आधार ही नहीं होता बल्कि उसके विकास का मापदंड भी माना जाता है और दिन क्षेत्र जिला मुरैना मैं विभिन्न वर्षों में कुल स्थापित उद्योगों का वर्णन निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट किया गया है।

तालिका जिला मुरैना में स्थाति उद्योग; लघु एवं कुटीरद्ध

वर्ष	उद्योग	नियोजित कर्मचारी
2010 11	.....	.....
2011 12	494	1012
2012 13	557	1131
2013 14	571	1131
2014 15	575	1282

स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2015 जिला मुरैना

निष्कर्ष

वर्तमान समय में दूरसंचार ने हमारे कार्य व्यवहार एवं सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया है तथा यह साधन हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गए हैं यदि हमें समय के साथ साथ अपना आर्थिक विकास करना है तो दूर संचार साधनों को अपनाना आवश्यक है शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र की सामाजिक स्थिति पर दूरसंचार क्रांति का प्रभाव दिखाया गया है अध्ययन क्षेत्र में लगभग सभी धर्म जाति संप्रदाय के लोग निवास करते हैं सभी के पास पर्याप्त दूरसंचार के साधन हैं लोगों के खानपान, रीति रिवाज, वेश भूषा, चाहे अलग क्यों न हो लेकिन दूरसंचार के समागम सभी के पास लगभग समान है जो भिन्नता में एकता का संदेश पहुँचाता है। दूरसंचार के साधन से पारिवारिक अखंडता, स्नेह, निर्भरता, लगाव आदि में वृद्धि हुई है इसके साथ साथ दूर संचार साधनों के माध्यम से राजनीतिक जागरूकता सभी समाजों में बढी है, लोग अंधविश्वासों और कुप्रथाओं को क्या त्याग कर आधुनिक तरीके से जीवन यापन करने के तरीके दूरसंचार के साधनों के माध्य सीख रहे हैं इसके साथ साथ लोगों में सामाजिक चेतना भी बढी जो एक विकासशील समाज का परिचायक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *आर्थिक समीक्षा 2018 19, भारत सरकार वित्त मंत्रालय आर्थिक प्रभाव, नई दिल्ली भारत*
2. *2017 प्रकाशन विभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली*
3. *Telecom statistics India-2018 Economics research Unit- Statistics Department of communications Ministry of Communication Government of India New Delhi*
4. *Census of india 2011 Madhya Pradesh series 24 part XII*
5. *जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2015 जिला मुरैना (म.प्र.)*